>

Title : Need to re-open the closed fertilizer factory in Gorakhpur to overcome the shortage of fertilizers in Western Uttar Pradesh.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): किसानों को ख़रीफ फसल की बुआई में डी.ए.पी एवं यूरिया खाद की अत्यधिक आवश्यकता पड़ती हे लेकिन वर्तमान समय में डी.ए.पी. एवं यूरिया किसानों को उपलब्ध नहीं हो पा रही है। उत्तर प्रदेश में किसानों को ख़रीफ फसल के लिए बाजार से निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य में लेने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। यूरिया का निर्धारित मूल्य 258.50 पैसा प्रति बोरा की जगह 400 से 500 रूपए प्रति बोरा तथा डी.ए.पी की खाद 460 की जगह 800 रूपया पर किसानों को बाजार से लेना पड़ रहा है। पूर्व में गोरखपुर स्थित इफको द्वारा संचालित खाद के कारखाने से उत्पादित यूरिया उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों को प्राप्त होती थी लेकिन पिछले 15 वÂााौ से उक्त कारखाने के बन्द हो जाने के कारण खाद के उत्पादन में कमी आ गयी है, जिसके कारण किसानों के समक्ष खाद का संकट पैदा हो गया है। गोरखपुर स्थित बन्द कारखाने को चलाने की मांग निरन्तर किसानों के द्वारा हो रही है।

अतः सदन के माध्यम से सरकार से अग्रह है कि किसानों को यूरिया एवं डी.ए.पी. खाद उपलब्ध कराने हेतु गोरखपुर के बन्द कारखाने को प्राथमिकता के आधार पर चलावाने हेतु सरकार आवश्यक कार्रवाई करे।